नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

भोपाल में आयोजित 10 वें विश्व हिंदी सम्मेलन में
सविता कोल्हे ने प्रस्तुत किया आलेख

वर्धा दि. 18 सितंबर 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में प्रवासन और डायस्पोरा अध्ययन विभाग की एम. फिल शोधार्थी सविता कोल्हे ने भोपाल में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन के राजेंद्र माथुर सभागार में आलेख प्रस्तुत किया। आलेख का विषय **पत्रकारिता में गिरमिटियों के लिए हिंदी एक मिसाल** था।

कार्यक्रम के मुख्य सम्मेलन समन्वयक मृदुल कुमार, संयुक्त सचिव, हिंदी व संस्कृत विदेश मंत्रालय थे। प्रभारी राजेश वैष्णव, संयुक्त सचिव, हिंदी व संस्कृत थे। सत्र के संयोजक राजेंद्र शर्मा थे। आलेख में गिरमिटिया शब्द प्रवासी भारतीयों के लिए कहा गया है। यह एग्रीमेंट से बना हुआ शब्द है। त्रिनिदाद, मॉरिशस, सूरीनाम, दक्षिण अफ्रीका आदि गिरमिटियाँ देश हैं। इन देशों में गिरमिटियों ने पत्रकारिता को माध्यम बनाकर संघर्ष किया। उनके संपर्क की मुख्य भाषा हिंदी थी। विश्व के लगभग 150 से अधिक देशों में भारतीय बसे हुए हैं। सत्र में देश के अलग-अलग कोने से पधारें हिंदी विद्वानों ने भी आलेख प्रस्तुत किए। सत्र समापन के बाद प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

सविता ने अपने आलेख में विश्व हिंदी सम्मेलन के आयोजन समिति एवं उससे जुड़े सभी मान्यवरों, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रतिकुलपति चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद, प्रवासन और डायस्पोरा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन राय, सहायक प्रोफेसर डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, डॉ. अनिल अंकित राय, काले मैडम, प्रा. राजेंद्र मुंढे, जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे, हिंदी वर्तनी को ठीक करने के सहायक लोकमत समाचार, संपादक विकास मिश्र, जिला संवाददाता, भंडारा शशिकुमार वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। सत्र में प्रो. एस तंकमणि अम्मा, संयोजिका रेखा तिवारी, सहायक प्रोफेसर शैलेश कदम, विश्वविद्यालय के छात्र एवं सम्मेलन में विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, शोधार्थी एवं हिंदी जगत के विद्वान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भोपामध्ये १० व्या विश्व हिंदी संमेलनात सविता कोल्हेचा शोधनिबंध सादर

वर्धा दि. 18 सप्टेंबर 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय मध्ये प्रवासन व डायस्पोरा अध्ययन विभागामध्ये एम. फिल. ची शोधार्थी सविता कोल्हे हीने भोपाळ मध्ये आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलनच्या राजेंद्र माथुर सभागृहात आपला शोधनिबंध सादर केला. शोधनिबंधाचा विषय **पत्रकारिता गिरमिटियांसाठी हिंदी एक मशाल** हा होता. कार्यक्रमाचे मुख्य सम्मेलन समन्वयक मृदुल कुमार, संयुक्त सचिव (हिंदी व संस्कृत) विदेश मंत्रालय, प्रभारी राजेश वैष्णव संयुक्त सचिव (हिंदी व संस्कृत) सत्र संयोजक श्री राजेंद्र शर्मा होते. सविताने शोधनिबंधात गिरमिटिया शब्द स्थलांतरित भारतीयांसाठी वापरला आहे. हा शब्द एग्रीमेंट पासून बनलेला आहे. त्रिनिदाद, मॉरिशस, सूरीनाम, दक्षिण आफ्रीका, मलेशिया अन्य देशामध्ये गिरमिटियाँ म्हणजे भारतीय आहेत. या देशांमध्ये मजदूर प्रणालीच्या अंतर्गत करारबद्ध पद्धतीने भारतीयांना नेण्यात आले होते. तिथे भारतीयांनी पत्रकारितेच्या माध्यमातून संघर्ष केला. त्यांच्या संपर्काची मुख्य भाषा हिंदी होती. जगामध्ये 150 देशापेक्षा जास्त देशामध्ये भारतीय बसले आहे. याचा उल्लेख लेखामध्ये केला. या सत्रामध्ये देशाच्या विविध भागातून आलेल्या विद्वानांनीसुद्धा आलेख प्रस्तुत केले. यावेळी प्रमाणपत्र देवून सम्मानित करण्यात आले. सविताने आपल्या लेखात संमेलनाचे आयोजक, विश्वविद्यालयाचे कुलगुरू प्रो. गिरीश्वर मिश्र, प्रकुलगुरु चित्तरंजन मिश्र, कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, प्रवासन व डायस्पोरा विभागाचे डॉ. राजीव रंजन राय, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, डॉ. अनिल अंकित राय, काळे मॅडम, प्रा. राजेंद्र मुंढे, जनसंपर्क अधिकारी बी.एस.मिरगे, संपादक विकास मिश्र, जिल्हा प्रतिनिधी, भंडारा शशिकुमार वर्मा यांचे आभार मानले. सत्रामध्ये प्रो. एस.

तंकमणि अम्मा, संयोजिका रेखा तिवारी, सहायक प्राध्यापक शैलेश कदम, विश्वविद्यालयाचे विद्यार्थी आणि विश्वविद्यायाचे प्राध्यापक, शोधार्थी आणि हिंदी विद्वान मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.